

भारत सरकार
विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय
विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 6128
01.04.2026 को उत्तर देने के लिए

उत्तर प्रदेश में विज्ञान शिक्षा और इंस्पायर छात्रवृत्ति को बढ़ावा देना

†6128. श्री राजीव राय:

क्या विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) घोसी निर्वाचन क्षेत्र सहित मऊ जिले के उन छात्रों की संख्या का ब्यौरा क्या है, जिन्होंने वर्ष 2024-26 के दौरान इंस्पायर छात्रवृत्ति प्राप्त की है और वितरित की गई छात्रवृत्ति की कुल राशि कितनी है;
- (ख) क्या जिले के किसी छात्र या संस्थान को इंस्पायर कार्यक्रम के अनुसंधान या फेलोशिप घटकों के तहत सहायता प्रदान की गई है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ग) क्या उक्त अवधि के दौरान मऊ जिले में कोई विज्ञान प्रसार अथवा नवाचार प्रोत्साहन कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं;
- (घ) क्या विज्ञान छात्रवृत्ति तक पहुंच में क्षेत्रीय असमानताओं के संबंध में कोई समीक्षा की गई है; और
- (ङ) घोसी जैसे ग्रामीण क्षेत्रों में 'स्टेम' शिक्षा और अनुसंधान भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(डॉ. जितेंद्र सिंह)

- (क) उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति (एसएचई), जो इंस्पायर योजना का एक घटक है, का उद्देश्य प्रतिभाशाली युवाओं को छात्रवृत्ति तथा अग्रणी शोधकर्ताओं के साथ ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षुता के माध्यम से मार्गदर्शन प्रदान करके विज्ञान-गहन कार्यक्रमों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करना है। यह योजना 17-22 वर्ष आयु वर्ग के प्रतिभाशाली युवाओं को प्राकृतिक और मूलभूत विज्ञान में स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर की शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रतिवर्ष 0.80 लाख रुपए की दर से 12,000 छात्रवृत्तियां प्रदान करती है। इस योजना के अंतर्गत छात्रवृत्ति

राशि सीधे छात्रों के बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के माध्यम से हस्तांतरित की जाती है। पिछले तीन वर्षों के दौरान मऊ जिले (घोसी निर्वाचन क्षेत्र सहित) से इंस्पायर छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या और वितरित की गई कुल छात्रवृत्ति राशि का विवरण निम्नानुसार है:

वित्तीय वर्ष	मऊ जिले में जारी छात्रवृत्तियों की संख्या		घोसी निर्वाचन क्षेत्र में जारी की गई छात्रवृत्तियों की संख्या	
	विद्यार्थियों की संख्या	वितरित राशि (लाख रुपये में)	विद्यार्थियों की संख्या	वितरित राशि (लाख रुपये में)
2023-24	93	190.20	11	24.00
2024-25	79	188.40	9	21.00
2025-26	84	223.20	3	14.40

(ख) इंस्पायर अध्येतावृत्ति उन छात्रों को प्रदान की जाती है जिन्होंने मूलभूत और अनुप्रयुक्त विज्ञान, जिनमें अभियांत्रिकी, चिकित्सा, कृषि और पशु चिकित्सा विज्ञान शामिल हैं, में विश्वविद्यालय या शैक्षणिक संस्थान स्तर, जिनमें राष्ट्रीय महत्व के संस्थान जैसे आईआईटी, एनआईटी और आईआईएसईआर भी शामिल हैं, में प्रथम स्थान प्राप्त किया हो। यह अध्येतावृत्ति उन इंस्पायर छात्रों को भी दी जाती है जिन्होंने एमएससी स्तर पर कुल मिलाकर कम से कम 70% अंक प्राप्त किए हों और देश के किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या शैक्षणिक संस्थान में पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश लेने की पात्रता रखते हों। इंस्पायर फैकल्टी फेलोशिप 27-32 वर्ष आयु वर्ग के पोस्ट-डॉक्टरल शोधकर्ताओं को दोनों मूलभूत और अनुप्रयुक्त विज्ञान, जिनमें अभियांत्रिकी, कृषि, पशु चिकित्सा विज्ञान और चिकित्सा शामिल हैं, में पांच वर्षीय फेलोशिप प्राप्त करने का अवसर प्रदान करती है। पिछले तीन वर्षों के दौरान उत्तर प्रदेश राज्य (मऊ जिले सहित) में इन घटकों के अंतर्गत सहायता प्राप्त छात्रों की संख्या का विवरण निम्नानुसार है:

वित्तीय वर्ष	इंस्पायर अध्येतावृत्ति		इंस्पायर फैकल्टी फेलोशिप	
	अध्येताओं की संख्या	जारी की गई राशि (लाख रुपये में)	अध्येताओं की संख्या	जारी की गई राशि (लाख रुपये में)
2023-24	56	304.20	12	174.00
2024-25	18	97.09	2	39.87
2025-26	58	291.39	15	163.75

(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान, उत्तर प्रदेश के मऊ जिले में इंस्पायर-मानक (मिलियन माइंड्स ऑगमेंटिंग नेशनल एस्पिरेशन एंड नॉलेज) पहल के अंतर्गत विज्ञान के प्रचार-प्रसार और नवाचार प्रोत्साहन गतिविधियों में निरंतर विस्तार देखा गया है। प्रत्येक वर्ष, जिला स्तरीय परियोजना प्रदर्शनी और प्रतियोगिता (डीएलपीईसी) का आयोजन किया गया, जिसने स्कूली छात्रों को नवीन विचारों और वैज्ञानिक परियोजनाओं को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान किया। समय के साथ जिले की सहभागिता में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है, जो बेहतर प्रचार-प्रसार और छात्रों के बीच बढ़ती रुचि को दर्शाती है। मऊ से लाभार्थियों की संख्या 2023-24 में 11 से बढ़कर 2024-25 और 2025-26 दोनों वर्षों में 45 हो गई, जिससे तीन वर्षों की अवधि में कुल लाभार्थियों की संख्या 101 हो गई। इंस्पायर-मानक गतिविधियों के अतिरिक्त, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) ने अपने राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी संचार परिषद (एनसीएसटीसी) प्रभाग के माध्यम से जिले में एसटीईएमएम प्रदर्शन कार्यक्रम और मोबाइल विज्ञान प्रदर्शनियों का आयोजन किया। इन पहलों का उद्देश्य छात्रों, शिक्षकों और आम जनता के बीच वैज्ञानिक जागरूकता और संचार को मजबूत करना था। विज्ञान जागरूकता मेलों जैसे आयोजनों के माध्यम से ग्रामीण और वंचित समुदायों तक पहुँचने के लिए विशेष प्रयास किए गए, जिन्होंने विशेष रूप से अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति और ग्रामीण छात्रों के बीच वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा दिया और विज्ञान शिक्षा के महत्व को उजागर किया। इसके अलावा, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की राष्ट्रीय स्नातकोत्तर अध्ययन छात्रवृत्ति (एनएसपीजी) योजना के माध्यम से उच्च शिक्षा के लिए सहायता प्रदान की गई, जिसके अंतर्गत मऊ जिले के 11 छात्रों को स्नातकोत्तर अध्ययन करने के लिए छात्रवृत्ति प्राप्त हुई। समग्र रूप से, इन सभी पहलों ने मऊ जिले में वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने, नवाचार को प्रोत्साहित करने और विज्ञान शिक्षा में भागीदारी बढ़ाने में योगदान दिया।

(घ) मंत्रालय विज्ञान छात्रवृत्तियों तक छात्रों की पहुंच के संबंध में नियमित रूप से समीक्षा करता है। उच्च शिक्षा (एसएचई) के लिए इंस्पायर छात्रवृत्ति योजना समावेशी विकास मॉडल का अनुसरण करते हुए लागू की गई है, जो सभी राज्यों के छात्रों को समान अवसर प्रदान करती है। प्रत्येक केंद्रीय/राज्य शिक्षा बोर्ड अपने बोर्ड के पात्र छात्रों को इंस्पायर छात्रवृत्ति के लिए उनकी पात्रता के बारे में सूचित करता है। इंस्पायर-एसएचई छात्रवृत्ति के लिए आवेदन आमंत्रित करने की सूचना ऑनलाइन दी जाती है; परिणाम इंस्पायर वेब-पोर्टल के माध्यम से घोषित किए जाते हैं और छात्रों को उनके संबंधित ऑनलाइन वेब-पोर्टल खातों के माध्यम से सूचित किया जाता है। छात्रवृत्ति का वितरण छात्रों के बैंक खाते में प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के माध्यम से किया जाता है। इसलिए, मंत्रालय यह सुनिश्चित करता है कि सभी छात्रों को बिना

किसी भेदभाव के प्रतिस्पर्धी आधार पर विज्ञान छात्रवृत्ति का लाभ उठाने का उचित अवसर मिल सके।

(ड) मंत्रालय ने इंस्पायर-मानक जैसे वैज्ञानिक अनुसंधान कार्यक्रमों में ग्रामीण क्षेत्रों और अल्प-प्रतिनिधित्व वाले समूहों के छात्रों की भागीदारी बढ़ाने के लिए विभिन्न लक्षित कदम उठाए हैं। पहुंच बढ़ाने के लिए, राज्य और जिला नोडल अधिकारियों के साथ नियमित रूप से जागरूकता बैठकें आयोजित की जाती हैं, साथ ही शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यशालाएं भी आयोजित की जाती हैं जिससे स्कूलों को जागरूक किया जा सके और उन्हें भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। वीडियो, पोस्टर, सोशल मीडिया और ईमेल संचार का उपयोग करते हुए एक व्यापक मल्टीमीडिया अभियान भी शुरू किया गया है ताकि अधिक लोगों तक, विशेष रूप से दूरदराज के क्षेत्रों में पहुंचा जा सके। इन प्रयासों से भागीदारी में लगातार वृद्धि हुई है, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों में महत्वपूर्ण विकास देखा गया है। पहुंच के अलावा, मंत्रालय ने चयनित छात्रों के लिए सहायता तंत्र को मजबूत किया है। प्रत्येक चयनित छात्र को अपने विचार का प्रोटोटाइप विकसित करने के लिए 10,000 रुपये मिलते हैं। उन्हें अटल टिंकरिंग लैब्स (एटीएल) के माध्यम से मार्गदर्शन और तकनीकी सहायता भी प्रदान की जाती है। संगठित जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के माध्यम से छात्रों की प्रगति निरंतर जुड़ाव और अनुभव सुनिश्चित करती है। इसके अलावा, उन्नत चरणों में चयनित छात्रों के लिए आईआईटी और एनआईटी जैसे प्रमुख संस्थानों के सहयोग से मार्गदर्शन कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं। राज्य स्तरीय विजेताओं को राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुति के लिए अपने प्रोटोटाइप को परिष्कृत करने हेतु वित्तीय सहायता प्राप्त होती है। राष्ट्रीय स्तर पर, छात्रों को पेटेंट दाखिल करने में सहायता और तकनीकी मार्गदर्शन सहित इनक्यूबेशन सुविधाओं के माध्यम से सहयोग दिया जाता है, जिससे वे अपने विचारों को बड़े पैमाने पर लागू करने योग्य और सामाजिक रूप से प्रासंगिक नवाचारों में परिवर्तित कर सकें।
